हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 4 अंक 25 | फतेहपुर, सोमवार 3 फरवरी 2025 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

भारत में कॉन्सर्ट इकोनॉमी की संभावनाएं -मोदी

राज्य इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्किल्स पर ध्यान दें

भुवनेश्वर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा– मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 में कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा मुंबई और अहमदाबाद में हुए ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट की शानदार तस्वीरें आपने देखी होंगी। भारत में ऐसे लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकारें और प्राइवेट सेक्टर बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्किल्स पर ध्यान दें तो कॉन्सर्ट इकोनॉमी से हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ सकती है। दुनिया भर के बड़े कलाकार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। मोदी ने मंगलवार को ओडिशा सरकार की बिजनेस समिट उत्कर्ष ओडिशा–मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। ये कॉन्क्लेव 28 से 29 जनवरी तक जनता मैदान में आयोजित हो रहा है। मोदी ने कहा कि पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन है और ओडिशा इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भारत का वैश्विक विकास में बहुत बड़ा योगदान हुआ करता था, तो भारत के पूर्वी हिस्से का उसमें बहुत बड़ा योगदान था। ओडिशा दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार का मुख्य केंद्र हुआ करता था। मुझे बताया गया है कि यह ओडिशा के इतिहास का सबसे बड़ा निवेशक सम्मेलन है। इसमें 5 से 6 गुना अधिक निवेशक भाग ले रहे हैं। मैं इसके लिए ओडिशा सरकार को बधाई देता हूं। कॉन्क्लेव में लगभग 3,000 नेशनल–इंटरनेशनल इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स, स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर्स और उद्योग हितधारक शामिल हुए हैं। इसके अलावा 500 विदेशी निवेशकों, 17 देशों के प्रतिनिधियों समेत लगभग 7,500 प्रतिनिधि भाग लिया है। यहां 5 प्रमुख एरिया आईटी, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल, केमिकल और फूल प्रोसेसिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पीएम मोदी की इस महीने में ओडिशा में उनकी दूसरी यात्रा है। इससे पहले 9 जनवरी को उन्होंने इसी जगह पर प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में हिस्सा लिया था। आज के समय में रिसर्च और इनोवेशन की जरूरत है। सरकार रिसर्च के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए एक विशेष कोष भी बनाया गया है। उद्योगों को आगे आना चाहिए और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए, यह सभी की अपेक्षा है। सरकार के प्रयासों के बीच मेरा आपसे कुछ आग्रह भी है। तेजी से बदलती दुनिया में आप ग्लोबल सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों को देख रहे हैं।

भारत बिखरी हुई सप्लाई चेन और आयात आधारित सप्लाई चेन पर ज्यादा भरोसा नहीं कर सकता। हमें भारत में भी एक सशक्त सप्लाई चेन बनानी है जिस पर वैश्विक उतार चढ़ाव का कम से कम असर पड़े। ये सरकार के साथ साथ इंडस्ट्री का भी बहुत बड़ा दायित्व है। इसलिए आप जिस भी क्षेत्र में हैं, उस से जुड़े डैडम्े को सहायता करें। भारत की अर्थव्यवस्था के दो बड़े स्तंभ हैं। हमारा इनोवेटिव सर्विस सेक्टर और भारत के क्वालिटी प्रोडक्ट्स, देश की तेज प्रगति केवल कच्चा माल के निर्यात से संभव नहीं है। इसलिए हम पूरे इको सिस्टम को बदल रहे हैं। नए विजन के साथ काम कर रहे हैं।

21वीं सदी के भारत के लिए यह युग कनेक्टेड इन्फ्रास्ट्रक्चर और मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटी का है। भारत अभूतपूर्व गति और पैमाने पर विशेषीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। यह भारत को निवेश के लिए एक बेहतरीन रास्ता बनाएगा। पूर्व और पश्चिम के समुद्र तट को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। भारत का एक बड़ा हिस्सा, जो पहले जमीन से घिरा हुआ था। अब समुद्र तक पहुंच पा रहा है। यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट दो दिन 28 जनवरी से 29 जनवरी तक होगी इस दौरान उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माता एक ही मंच पर होंगे। ये सभी ओडिशा में पसंदीदा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन में सीईओ और नेताओं की 4 राउंड टेबल मीटिंग, 4 फुल सेशन, 16 रीजनल सेशन, बी2बी मीटिंग और पॉलिसी डिस्कशन होंगे।

उत्कर्ष ओडिशा–मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव ओडिशा को भारत में एक प्रमुख निवेश डेस्टिनेशन और इंडस्ट्रियल सेंटर के तौर पर स्थापित करना है। कॉन्क्लेव में लगभग 3,000 नेशनल–इंटरनेशनल इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स, स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर्स और उद्योग हितधारक शामिल हुए हैं।

निशांत का राजनीति में स्वागत है -अठावले

विपक्ष पर भी जमकर बरसे

पटना। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले आज पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव पर कहा कि, दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुझे लगता है बीजेपी जीतेगी.. केजरीवाल जी ने दिल्ली का काफी नुकसान किया है। दिल्ली वालों को जो वादा किया था उसको पूरा नहीं किया है, इसलिए दिल्ली की जनता चाहती है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सत्ता आनी चाहिए.. इसलिए वहां अरविंद केजरीवाल की हार होगी, वहां बीजेपी की सरकार आएगी। राहुल गांधी के बयानों पर अठावले ने कहा कि, राहुल गांधी कहते हैं कि संविधान खतरे में है लेकिन पूरा देश जानता है कि भारत का संविधान खतरे में बिल्कुल नहीं है। सिर्फ राहुल गांधी खतरे में है। कांग्रेस पार्टी और अपोजिशन खतरे में है, इसलिए बाबा साहब का संविधान कभी खतरे में नहीं आ सकता। वहीं अमृतसर में बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना पर मंत्री आठवले ने दुःख जाहिर किया। अठावले ने कहा है कि, अमृतसर में जो भी घटना घटी है, वह निंदनीय है काफी दुखदाई है। बाबा साहब के मूर्ति को तोड़ने की घटना हुई है, बहुत गंभीर बात है। जो पंजाब की सरकार है वहां अनदेखी कर रही है। मुझे लगता है जिन लोगों ने इसको किया है उसको फांसी की सजा मिलनी चाहिए और भगवंत मान जो वहां के मुख्यमंत्री हैं उनको इस्तीफा दे देना चाहिए। उनके राज्य में इस तरह बाबा साहब के साथ होना यह अच्छी बात नहीं है।

एलडीए के जोनल अधिकारी को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ(संवाददाता)। लाल बाग स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मंडलायुक्त डॉक्टर रोशन जैकब ने लोगों की समस्याओं को सुना है। नजरबाग और फूल बाग में मकान नंबर 105/254 और 22 में बिना नक्शा पास करे अवैध निर्माण करने पर सितंबर 2024 में सीलिंग का निर्देश दिया था। बावजूद इसके बिल्डर जीशान अली ने सीलिंग खुलवाकर दोबारा से बिजली कनेक्शन ले लिया। इसकी शिकायत पर मंडला आयुक्त ने एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को तत्काल बिल्डिंग सील करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही लड़ा के जोनल अधिकारी शशि भूषण पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। पहाड़पुर चौराहा गांव सिकंदरपुर इनायत से पहुंचे लोगों ने बताया कि खसरा नंबर 269 में कब्रिस्तान दर्ज है। कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस दौरान लोगों ने कार्रवाई की मांग की। इस पर मंडल आयुक्त ने तत्काल कब्रिस्तान का सीमांकन करने का निर्देश दिया और अवैध निर्माण मिलने की स्थिति में उसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने को कहा है। ठाकुरगंज से पहुंचे फर्नीचर दुकानदार ने कहा कि उनकी दुकान के ठीक बगल में नाला है। नाले और शोरूम के बीच की सरकारी जमीन पर किसी ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, जिसकी वजह से मेरे शोरूम पर इमर्जेंसी एग्जिट जो आग लगने जैसी आपदा के लिए बेहद जरूरी है पूरी तरह से बंद हो गया है।इस दौरान उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। मंडला आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि हर महीने के अंतिम मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया जायेगा।

कायस्थ समाज की भूमिका विषय पर संगोष्ठी

लखनऊ(संवाददाता)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्वी शेखर कुमार के नेतृत्व में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कायस्थ समाज की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन होटल जयति ओएसिस इन,इन्दिरा नगर लखनऊ में आयोजित हुई, कायस्थ समाज की दिन प्रतिदिन राजनीतिक हिस्सेदारी में राजनीतिक पार्टियों द्वारा उदासीनता, टिकट बटवारे में नजरंदाज करना व निरंतर गिरावट से समाज में जबर्दस्त आक्रोश व्याप्त है इसी सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए बैठक में वर्ष २०२६ व २०२७ में सम्भावित होने वाले स्नातक, पंचायत,नगर निगम, विधानसभा चुनाव होना सम्भावित है और इन्हीं विषयों पर लगभग सभी संगठनोंसमितियों के सम्मानित पदाधिकारियों व कायस्थ परिवार के सदस्यों में मुनेन्द्र श्रीवास्तव,आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव,आलोक भटनागर,शशी कान्त श्रीवास्तव,आनन्द श्रीवास्तव, विजय निगम,अतुल श्रीवास्तव,एस के श्रीवास्तव,अरुण श्रीवास्तव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, दीपक रंजन,अमित त्यागी,सुनीता श्रीवास्तव,विकास श्रीवास्तव, अरविन्द श्रीवास्तव,शरद श्रीवास्तव,अभीषेक सिन्हा, मनोज श्रीवास्तव,निधि श्रीवास्तव,आलोक कुमार, दिनेश खरे,कमल कुमार,राज कुमार,अमिताभ श्रीवास्तव,अंशु श्रीवास्तव,राजेश कुमार, नरेश प्रधान,विकास सक्सेना,रज्जन लाल, मनोज लाल,मनोज सक्सेना,सी पी श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, सितांशु श्रीवास्तव,अमित श्रीवास्तव,अवधेश श्रीवास्तव,संजीव सक्सेना, सुनील कुमार,इन्द्र प्रकाश मुंशी,नीरज श्रीवास्तव,श्याम जी,शैलेन्द्र कुमार सम्मानित विभूतियों ने चर्चा की।

वक्फ बिल के विरोध में पसमांदा समाज करेगा प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को लेकर पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रेसवार्ता किया। अनीस मंसूरी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को विवादित और एकतरफा बताया।

रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण और पसमांदा समाज के अधिकारों का हनन करार दिया है। मंसूरी ने कहा कि इस्लाम में वक्फ की अवधारणा गरीब, यतीम बच्चों, विधवा महिलाएं और समाज के वंचित वर्ग को मदद के लिए की गई थी। वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन और इनका उपयोग इन वर्गों की सहायता के लिए किया जाना चाहिए था। लेकिन हकीकत यह है कि वक्फ बोर्डों के अध्यक्ष, सदस्य, अधिकारी और मुतवल्ली लंबे समय से इन संपत्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने पसमांदा समाज के अधिकारों को कुचलते हुए इन संपत्तियों को अपने निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया।

अनीस मंसूरी ने मांग किया है कि विधेयक से गैर–मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का प्रावधान हटाया जाए। वक्फ संपत्तियों का इस्तेमाल गरीब, विधवा और कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए हो। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता लाने के लिए पसमांदा समाज के सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।विवाद निपटारे के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायाधिकरण बनाया जाए, जिसमें सरकार का हस्तक्षेप न हो। अनीस मंसूरी ने कहा कि जिस दिन बिल पास होगा।

सम्पादकीय

अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत–सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं। महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों उद्धरत करके लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत में विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवता को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम में विश्वास करना।' मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रही है। इसे भी पढ़ेंरू च्ड डवकप ने डींजउं ळंदकीप को उनकी 77वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी, कहा– उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच को ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन–प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं। दलित–आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंगा माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति–धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। मानव ने ज्ञान–विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार–क्रान्तियां बहुत हुईं किन्तु आचार–स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक–आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख–साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थो के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी "मेक इन इंडिया" का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म–निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण–ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं। हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह–जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है।

अंतरिम सरकार के तहत बांग्ला देश में पाकिस्तान समर्थक लहर

आशीष विश्वास

बांग्लादेश मेंअर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अनिर्वाचित अंतरिम शासकों का एक समूह पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए बेताब है। उस पाकिस्तान से जिससे उनका देश केवल पांच दशक पहले हिंसक तरीके से अलग हुआ था। अपने स्वयं के (तत्कालिक) इतिहास के एक अजीब उलटफेर में, बांग्लादेशियों ने दक्षिण एशिया में एक स्वतंत्र, सम्प्रभु देश के रूप में अस्तित्व में रहने और कार्य करने में स्पष्ट रूप से असमर्थता दिखाई है। तथ्यों पर गौर करें 1947 में बांग्लादेशियों को, पूर्व पाकिस्तानी होने के नाते, इस्लामी गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गरीब, तीसरे दर्जे का नागरिक माना जाता था। अपने शोषण से तंग आकर, उन्होंने 1970–71 में पाकिस्तान को पूरी तरह से खारिज करते हुए अलग होने का फैसला किया। बाद के दशकों में कभी–कभार तनाव के बावजूद, वे मोटे तौर पर भारत के साथ जुड़े रहे – कुछ महीने पहले तक। अपनी आजादी हासिल करने के लिए, उन्होंने क्रूर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ संघर्ष करते हुए जान गंवाने के रूप में बहुत बड़ी कीमत चुकाई। अब अचानक, 2025 में, डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनकी टीम के नेतृत्व में कुछ बांग्लादेशियों ने फैसला किया है कि एक बार फिर से, वे पाकिस्तानियों के साथ रहना बेहतर समझेंगे! 5 अगस्त 2024 को अवामी लीग (एएल) के खिलाफ तख्तापलट के बाद, अचानक, भारत दक्षिण एशिया में आधिकारिक बांग्लादेशी राजनीतिक आख्यान में नया बांग्लादेशी विरोधी खलनायक बनकर उभरा है। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत और यहां तक कि गैर–निवासी भारतीय जिनका भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है, बांग्लादेश को परेशान करने वाली कई प्रणालीगत समस्याओं के लिए आलोचना का शिकार हो रहे हैं। इनमें द्विपक्षीय सौदों में बड़े व्यापार अंतर से लेकर अंतरराष्ट्रीय नदियों का सूखना और यहां तक कि आईएमएफ और विश्व बैंक के साथ अपने व्यवहार में बांग्लादेश के खिलाफ दबाव शामिल हैं! भारत विरोधी गुस्से के विस्फोट के लिए जो भी कारण हो, यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन ने हाल ही में पाकिस्तान की शक्तिशाली खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख की बांग्लादेश की विवादास्पद यात्रा को प्रायोजित किया, जिसकी प्रतिष्ठा बहुत अच्छी नहीं है। भारत–बांग्लादेश संबंधों में मौजूदा ठंड को देखते हुए, अधिकांश ढाका–आधारित टिप्पणीकारोंधविश्लेषकों ने ढाका द्वारा दिल्ली को भेजे जा रहे मजबूत, अमित्र संकेतों पर टिप्पणी की है। आईएसआई का यह दौरा ढाका में पहले ही बहुत धूमधाम से घोषित किये जा चुके कुछ अन्य कदमों के मद्देनजर हुआ है। बांग्लादेश का कार्यवाहक शासन पाकिस्तान में शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार से दोस्ती करने की जल्दी में है। इसने पाकिस्तानी आगंतुकों के लिए वीजा नियमों में पहले ही ढील दे दी है और उर्दू के प्रचार के लिए बांग्लादेश में और अधिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था कर रहा है। सांस्कृतिक आदान–प्रदान और गठजोड़ को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नयी पाठ्य पुस्तकें, जिनमें दिवंगत शेख मुजीबुर रहमान, ताजुद्दीन अहमद या यहां तक कि जियाउर रहमान द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई भूमिका को शामिल नहीं किया गया है, छात्रों के बीच वितरित की जा रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्वाभाविक रूप से बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत की सहायक भूमिका और योगदान, रहमान की अवामी लीग को उसका समर्थन, भारत–पाक युद्ध के दौरान कम से कम 10,000 भारतीय सैनिकों की शहादत को कम महत्व दिया गया है।

संक्षेप में, अपने उतार–चढ़ाव भरे अस्तित्व के पहले पांच दशकों के भीतर, बांग्लादेश को पूरी तरह से अघोषित श्अधिकारियोंश के एक समूह द्वारा अपने स्वयं के बहुत ही संक्षिप्त इतिहास को फिर से लिखने– और यहां तक कि उसे गलत साबित करने– के लिए मजबूर किया गया है। ऐसा तो पूर्व जनरल इरशाद के कार्यकाल में भी नहीं हुआ था, जिन्होंने देश में आभासी सैन्य शासन का दौर चलाया था। विश्लेषकों को यह चिंताजनक लगता है कि बांग्लादेश के वर्तमान श्अधिकारीश जो संवैधानिक रूप से किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं, अपने घरेलू कट्टरपंथी इस्लामवादी लॉबी को खुश करने के लिए अपने समकालीन इतिहास के सुप्रलेखित स्थापित तथ्यों को विकृत करने या दबाने से पीछे नहीं हटे हैं। यह जमाती समर्थक ताकतों का वह वर्ग है जो हमेशा पाकिस्तान के करीब रहा है, जो बांग्लादेश में उभरने वाले एक सख्त, शरीयत–प्रधान व्यवस्था के सपने संजोये हुए है। अगर भारत में प्रभावशाली वर्ग इस बात से परेशान हैं, तो यह बहुत बुरा है– उन्हें नये बांग्लादेश से निपटना होगा। यही अब तक यूनुस और उनकी टीम द्वारा ढाका से निकलने वाला व्यापक संदेश है। सच्चाई कुछ अलग है, और अप्रिय भी।

अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों भारत, पाकिस्तान, और चीन – से सम्बंध के मामले में वर्तमान बांग्लादेश सरकार का रवैया दक्षिण एशिया के अन्य देशों नेपाल या श्रीलंका से बिल्कुल भिन्न है। 5 अगस्त 2024 को अवामी लीग विरोधी तख्तापलट के बाद भारत के लिए दरवाजे बंद करने में, कुछ पर्यवेक्षकों के अनुसार, बांग्लादेश पहले ही बहुत आगे निकल चुका है। ऐसा दृष्टिकोण तब भी बना हुआ है, जब ढाका ने भारत के साथ आर्थिकध्व्यापारिक संबंधों को फिर से परिभाषित करने के लिए आधिकारिक और अनौपचारिक रूप से शुरू किये गये पहले के प्रयासों को चुपचाप पलट दिया है। हाल ही में, बांग्लादेश ने भारत से चावल और सब्जियों जैसी आवश्यक वस्तुओं को थोक में खरीदना फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन ऐसा तब हुआ जब पाकिस्तान या थाईलैंड जैसे देशों से सस्ती कीमतों पर ऐसी वस्तुओं को हासिल करने के उसके प्रयास सफल नहीं हुए। भारत के साथ हाल के कुछ सौदों में बांग्लादेश द्वारा बदनीयत और सरासर अशिष्टता का खुला प्रदर्शन, द्विपक्षीय संबंधों में संतुलन की कमी और सामान्य राजनयिक शिष्टाचार की अनुपस्थिति को दर्शाता है। आईएसआई को इसका निमंत्रण एक बड़े उकसावे और भारत सरकार के लिए जानबूझ कर अपमान के अलावा और कुछ नहीं समझा जा सकता है। वर्तमान अनिर्वाचित श्शासकोंश की असंवेदनशीलता इतनी है कि वे यह भी नहीं समझ पाते कि वे अपने ही स्वतंत्रता संग्राम का उपहास उड़ा रहे हैं और अपने ही बलिदानों और राजनीतिक संघर्षों को बदनाम कर रहे हैं। न ही आईएसआई का दौरा अपनी तरह का एकमात्र उदाहरण है। बांग्लादेश ने हाल ही में भारत के साथ अपने पहले के समझौते को अंतिम क्षण में रद्द कर दिया था, जिसमें न्यायिक कर्मचारियों और अधिकारियों के 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए भेजना था। सभी द्विपक्षीय व्यापार और पारगमन समझौतों की समीक्षा करने और उन्हें रद्द करने की बांग्लादेश की लगातार धमकियां, जिनमें मौजूदा नदी जल बंटवारे का समझौता भी शामिल है, दिल्ली के खिलाफ एक और जानबूझ कर किया गया अपमान था।यह बांग्लादेश के सोशल मीडिया नेटवर्क के लिए श्रेय की बात है कि अंतरिम प्रशासकों से महत्वपूर्ण सवाल तेजी से पूछे जा रहे हैं। मुख्यधारा का मीडिया, अन्य देशों के मीडिया की तरह, नये शासकों की उतनी निर्भीकता से आलोचना नहीं कर रहा है, जितनी कि छोटे संचालकों ने की है।

व्यवस्था पर करोड़ों खर्च, फिर भी पेयजल के लिए तरस रहे लोग

बदायूं। हर घर जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल दिलाने के नाम पर गांवों में सड़कें खोदकर डाल दी गईं। साल भर हो गया, सड़क नहीं बनाई गई। न ही पानी घरों तक पहुंच सका। ग्रामीणों ने अफसरों से गुहार लगाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। थक हारकर ग्रामीणों ने कुछ जगहों पर खुद ही फावड़े चलाकर सघ्ड़कों को आवाजाही के लायक बना दिया।

जिले में लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके, इसके लिए शासन द्वारा हर घर जल योजना के तहत कनेक्शन दिए जाने हैं। इसके लिए जिले के 1444 राजस्व गांवों में से 857 गांव में काम किया जा रहा है। यहां पर काम किए जाने के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में पीएनसी को नामित किया गया है।

इसके द्वारा शुरुआत में काम में तेजी दिखाते हुए पाइप लाइन डालने के लिए सड़कों को खोदना शुरू कर दिया। अधिकांश गांवों में सड़कों की खोदाई कर वहां पर पानी की पाइप लाइन डाल दी गई। ऊपर से मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया। रेहड़िया गांव में एक साल बाद भी पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। साथ ही सड़कें भी वैसी की वैसी पड़ी हैं।

वजीरगंज विकास खंड के गांव बरीपुरा में पाइप लाइन डाल दी गई है। पानी की टंकी अभी भी अधबनी है। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी घरों तक पेयजल नहीं पहुंच सका है। ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत कर पेयजल व्यवस्था शुरू कराने की मांग की है। रहेड़िया गांव में भी टंकी का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। दोनों गांव में करीब दो हजार से अधिक लोगों के कनेक्शन होने थे, लेकिन अब तक कुछ नहीं हो सका है। टंकी तक अध बनी पड़ी है।

अनुबंधित बसों के फेरे बढ़े, फिर भी भटक रहे यात्री

बदायूं। परिवहन निगम की 115 बसें महाकुंभ में चले जाने के बाद से जिले में बसों का टोटा है। लोकल रूट पर एक–एक घंटे इंतजार के बाद बस मिल पा रही है। सबसे ज्यादा बुरा हाल दिल्ली रूट का है। यहां दो–दो घंटे के इंतजार के बाद दूसरे डिपो की बस मिल रही है।

प्रयागराज महाकुंभ में बदायूं डिपो से करीब 115 बसें जाने से लंबे रूट पर बसों का संचालन थम गया है। बसों के जाने के बाद दिल्ली, अलीगढ़, मेरठ, गाजियाबाद, मुरादाबाद, नोएडा और अनूपशहर के लिए रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो पा रहा है। यहां आने–जाने के लिए बाहरी डिपो की बसों का ही सहारा बचा है।

डिपो से प्रतिदिन निगम और अनुबंध की बसों का हरिद्वार, देहरादून, हलद्वानी, दिल्ली, मथुरा, अलीगढ़, आगरा, हाथरस, एटा, कासगंज, लखनऊ, मेरठ, फर्रूखाबाद, मुरादाबाद, कौशाम्बी, गाजियाबाद और अनूपशहर के लिए संचालन होता था। लंबे रूट के अलावा अन्य रूटों पर संचालित बसों के प्रयागराज जाने पर संचालन रुक गया है। अब सिर्फ 66 बसें ही दौड़ाई जा रहीं हैं। फेरे बढ़ाए जाने का खास फायदा यात्रियों को नहीं हो रहा है। उन्हें घंटों लोकल व दिल्ली जाने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। यहां बता दें कि आमदिनों में दिल्ली के लिए बदायूं डिपो की 80 बसें चलती थीं। अब महज तीन–चार बसें ही जा रहीं हैं। ऐसे में जब दूसरे डिपो की बसें आती हैं तब ही यात्री जा पा रहे हैं। दिल्ली रूट पर यात्रियों को एक से दो घंटे तक बस का इंतजार करना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि जो बसें रह गईं हैं उनमें अधिकांश खटारा हैं। ये बसें लोकल रूट पर भी यात्रियों को गंतव्य तक नहीं पहुंचा पा रहीं। शुक्रवार की रात को दिल्ली जाने के लिए कई लोग रोडवेज बस स्टैंड पर खड़े थे। इसको देखते हुए एक खटारा बस दिल्ली के लिए लगाई गई। हालात यह हुए कि यात्रियों ने धक्का लगाया तब बस स्टार्ट हुई। बताया जा रहा है कि जो 66 बसें चल रही हैं उसमें 20 खटारा हैं।

दातागंज के रहने वाले आशुतोष ने बताया कि दिल्ली जाना है। दो घंटे से रोडवेज बस का इंतजार कर रहे हैं। कोई बस ही नहीं है। अगर बस मिलेगी तो जाएंगे, नहीं तो कल आकर फिर बस का इंतजार करेंगे।

शाहजहांपुर के रहने वाले सुग्रीव ने बताया कि वह करीब तीन घंटे से दिल्ली जाने वाली बस का इंतजार कर रहे हैं। बस कब आएगी, यह कोई नहीं बता पा रहा। पूछताछ केंद्र पर भी कोई नहीं है।

आरोग्य मेले में कहीं लगे मिले ताले तो कहीं डॉक्टर नहीं थे

बदायूं। पड़ताल के दौरान उघैती पर तैनात डॉक्टर मेले से नदारद मिले। यहां फार्मासिस्ट व स्टाफ नर्स के हवाले ही आरोग्य मेला रहा। गिघौल पीएचसी पर ताले लटके मिले। साथ ही गुलड़िया पीएचसी पर वार्ड बॉय ही मिला। रिसौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर मिले जो मरीजों को दवा दे रहे थे। जिले भर की 48 पीएचसी पर लगे आरोग्य मेलों में अधिकांश मरीज सर्दी, खांसी व बुखार के पहुंचे। बच्चों में डायरिया के लक्षण मिल रहे हैं। शाम चार बजे तक 2410 मरीज पहुंचे।

उघैती नवीन स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. मोहम्मद आकिल पीएचसी के प्रभारी हैं। रविवार को अपराह्न 1रू30 बजे तक फार्मासिस्ट गौरव गुप्ता व स्टाफ नर्स वंदना पांडेय ने मरीज देखे। डॉक्टर नदारद थे। क्षेत्र से मात्र 20 मरीज ही दवा लेने पहुंचे। सभी मरीज सर्दी, खांसी व बुखार से पीड़ित रहे।

सड़क हादसे में दसवीं कक्षा के दो छात्रों की मौत

लखीमपुर खीरी। तिकुनिया में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दसवीं के दो छात्रों की मौत हो गई। तिकुनिया कोतवाली क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र के पास हुए इस हादसे में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।कोचिंग जाते वक्त हादसामृतक छात्रों की पहचान 16 वर्षीय शिवांग जैन (मुकेश कुमार जैन के पुत्र) और 17 वर्षीय आर्यन (प्रताप के पुत्र) के रूप में हुई है। दोनों तिकुनिया कस्बे के रहने वाले थे और बाइक से कोचिंग जा रहे थे।हादसे के बाद दोनों घायल छात्रों को तत्काल पीएचसी तिकुनिया में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें सीएचसी निघासन रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।जब्त हुआ डंपर मृतक शिवांग जैन के चाचा दिनेश जैन ने दोनों की मृत्यु की पुष्टि की है। तिकुनिया कोतवाल अमित सिंह भदौरिया के अनुसार, दुर्घटना में शामिल डंपर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को मारी टक्कर, साइकिल सवार गंभीर रूप से हुआ जख्मी

लखीमपुर खीरी। थाना खमरिया क्षेत्र के खमरिया ईसानगर मार्ग पर पेट्रोल पंप के निकट अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। जिससे साइकिल पर सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया में भर्ती कराया। जहां युवक का इलाज जारी है। घायल युवक की पहचान थाना ईसानगर क्षेत्र के मुड़िया निवासी मुन्नालाल के रूप में हुई है।

ईसानगर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त को दबोचा

लखीमपुर खीरी (सूरज रस्तोगी) पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक– 28.01.2025 को थाना ईसानगर पर पंजीकृत मु0अ0स0– 01/2025 धारा– 2ख(1)/3 यू०पी० गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त 1. तिलकू उर्फ तिलकराम पुत्र वीरपाल उम्र 22 वर्ष नि0 ग्राम चपकहा थाना ईसानगर जिला खीरी को मुखबिर द्वारा मिली सूचना पर कटौली तिराहा कस्बा ईसानगर से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त तिलकू उर्फ तिलकराम पुत्र वीरपाल नि० ग्राम चपकहा थाना ईसानगर जिला खीरी, को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 अबलीश कुमार थाना ईसानगर जनपद खीरी, का0 अक्षय राणा थाना ईसानगर जिला खीरी शामिल थे।

मरीजों की बेहतर स्वास्थ्य जांच के लिए लगाई गई आधुनिक हेल्थ चेकअप मशीन पिछले 6 महीनों बनी ढोख

खमरिया खीरी। विधायक विनोद शंकर अवस्थी द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद से यह मशीन केवल प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गई है।स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने आए एक मरीज शुभम ने बताया कि महंगी मशीन होने के बावजूद भी इससे किसी को अभी तक लाभ नहीं मिल रहा है जब इस संबंध में स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी और बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण मशीन का संचालन नहीं हो पा रहा है।यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाती है,जहां लाखों रुपये की मशीन बिना उपयोग के धूल फांक रही है। इससे न केवल सरकारी धन की बर्बादी हो रही है, बल्कि आसपास के क्षेत्र के मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है।

परिवार नियोजन की सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए दो आईईसी वाहनों को किया गया रवाना

लखीमपुर खीरी।(अरुण कुमार मिश्रा) जनसंख्या नियंत्रण को लेकर मिशन परिवार विकास के अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए आईईसी से सुसज्जित दो सारथी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता के द्वारा रवाना किया गया। ब्लॉक स्तर पर भी ऐसे ही तीन–तीन प्रचार वाहन गांव–गांव तक परिवार नियोजन का संदेश पहुंचाएंगे सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि बढ़ती हुई जनसंख्या का स्थिरीकरण करना एक अच्छे भविष्य की शुरुवात से है। परिवार नियोजन की सेवाओं में महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी, कापर टी, अंतरा इंजेक्शन, छाया साप्ताहिक गोली, माला एन, ई सी पिल आदि सभी सीएचसी और पीएचसी पर उपलब्ध है। हमारे देश में सीमित संसाधन है ऐसे में बढ़ाने वाली जनसंख्या से संसाधनों में कमी आएगी, परंतु जनसंख्या नियंत्रण से इनमें व्यापक सुधार भी किए जा सकतें हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मिशन परिवार विकास के अंतर्गत सारथी वाहनों का संचालन गांव–गांव तक जन जागरूकता पहुंचने के लिए किया जा रहा है।

ट्रैक्टर से टकराई कार चार लोगों की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ से प्रयागराज जा रहे दो परिवार के चार लोगों की एक्सीडेंट में मौत हो गई। सभी मौनी अमावस्या पर महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे थे। हादसा भदोखर थाना क्षेत्र के मुंशीगंज बाईपास स्थित कान्हा ढाबा के पास हुआ है। क्वालिस गाड़ी के परखच्चे उड़ गए है। क्वालिस में ड्राइवर सहित कुल 9 लोग थे। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है। लखनऊ से मृतकों के परिजन रायबरेली के लिए रवाना हो गए हैं। परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत से बलदेव बिहार दुर्गा मंदिर तेलीबाग मेंघ सन्नाटा पसरा है। कोई किसी से कुछ बोल नहीं पा रहा। पीड़ित परिवार को कैसे संभालें लोग समझ नहीं पा रहे हैं। पल भर में उजड़े परिवार के घर रिश्तेदारों के आने का तांता लगा है। रिश्तेदारों और परिचितों के आते ही सिर्फ रोने की आवाज सुनाई पड़ रही है। हादसे से कालोनी के मासूम बच्चे भी सहम गए हैं। तड़के हुए इस हादसे में क्वालिस और ट्रैक्टर की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि क्वालिस के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से क्वालिस में सवार सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार तीन लोग मृत अवस्था में लाए गए थे, जबकि एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। दीपेंद्र रावत (42) माया पत्नी विजय (40) आशीष द्विवेदी (55) रजनी (70) वर्तमान में एक बच्चे सहित दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन लखनऊ से रायबरेली के लिए रवाना हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी है।

पति ने पत्नी का गला काटा, चाकू से खुद को भी किया घायल

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर कस्बे में घरेलू विवाद के बाद पति ने अपनी पत्नी का चाकू से गला काट कर घायल कर दिया। इसके बाद खुद अपने गले में चाकू मार कर चोट पहुंचा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था में पीजीआई स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह राणा के मुताबिक सीतापुर के लहरपुर स्थित केसरी गंज की रहने वाली रानी (40) बिजनौर में किराए के मकान में रहती है। उसका लखीमपुर के खीरी स्थित जमुनिया निवासी पति रमेश कश्यप (42) से कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। बताया गया कि रमेश कश्यप सुबह बिजनौर पहुंचा और अपनी पत्नी रानी से साथ चलने को कहने लगा। लेकिन रानी ने उसके साथ जाने से मना कर दिया। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। काफी देर तक बहस होने के बाद रमेश ने तैश में आकर रानी पर चाकू से हमला कर दिया। इससे पहले परिवार के लोग समझ पाते रमेश ने पत्नी का गला रेत दिया। जब रानी खून से लथपथ हो गई तो उसे देख रमेश घबरा गया और खुद अपने गले में चाकू मार कर चोट पहुंचा ली। आस–पास के लोगों ने दोनों को लहूलुहान हालत में देखा तो इसकी सूचना बिजनौर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एम्बुलेंस बुलाई और दोनों को पीजीआई स्थित ट्रॉमा सेंटर भेज दिया। जहां दोनों का इलाज जारी है। रमेश और रानी के चार बच्चे है। रानी अपने दो बच्चों को लेकर बिजनौर में ही किराए पर रहकर मजदूरी करती है। वहीं दो बच्चे रमेश के पास रह रहे हैं।

मिट्टी पुराई कर तालाब की शक्ल बदल रहे भूमाफिया

फतेहपुर (निज संवाददाता)। जनपद में भू माफियाओं के आगे राजस्व प्रशासन घुटने टेक चुका है ! पूरे जिले में बिना नियम कानून के सैकड़ों अवैध प्लाटिंग चल रही हैं। जहां राजस्व कर्मियों की आवाजाही और भूमाफिया प्रेम स्पष्ट देखने को मिल जाएगा। जिले के आधा सैकड़ा से अधिक तालाब भी आज लगभग गायब हो चुके हैं। भूमाफियाओं के टुकड़ों पर पल रहे कई राजस्व कर्मी आज स्वयं प्रापर्टी डीलर बनकर काम कर रहे हैं ! शहर क्षेत्र की बात करें तो ज्वालागंज सहित कई तालाब भूमाफियाओं ने प्लाटिंग कर बेच दिया। राजस्व अधिकारियों की संवेदन हीनता की वजह से सरकारी जमीनों का संरक्षण नहीं हो पा रहा है। बता दें कि शहर क्षेत्र में भूमाफियाओं की चांदी है। शहर के चारों ओर अवैध प्लाटिंग संचालित हैं। बड़े बड़े बोर्ड लगाकर भूमाफिया प्लाट बेच रहे हैं मगर ये अफसरों को नजर नहीं आ रहा। महर्षि स्कूल के करीब मुगल रोड पर दयाल बिहार, तेलियानी ब्लॉक के सामने गोकुल नगर सहित शहर में एक दर्जन से अधिक बड़ी अवैध प्लाटिंग संचालित हैं, इसी तरह नउवा बाग से लेकर शांतिनगर तक, भिटौरा रोड में, लखनऊ रोड में, एआरटीओ ऑफिस के पीछे दर्जनों जगहों पर अवैध तरीके से प्लाटो की बिक्री हो रही है लेकिन विनियमित विभाग को ये नजर नहीं आता। हालांकि विनियमित विभाग ने पूर्व में एक दर्जन से अधिक लोगों को नोटिस तो जारी की थी लेकिन उसके बाद सभी मामलो को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जिसके बाद सभी जगहों पर धड़ल्ले से बैनामे हो रहे हैं। चमन बाग में ध्वस्तीकरण का आदेश होने के बावजूद एसडीएम अपने ही आदेश का पालन करवाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। ऐसे में कई ध्वस्तीकरण के आदेश अधिकारियों की उदासीनता की वजह से धूल फांक रहे हैं। वहीं ज्वालागंज के तालाब में कब्जेधारकों को नोटिस जारी होने के बाद भी मामला आगे नहीं बढ़ सका। आज भी कब्जाधारकों से प्रशासन तालाब को खाली नहीं करा सका है। जबकि शहर क्षेत्र के अन्य तालाबों में भी अवैध कब्जा अनवरत जारी है। बताते हैं शहर में जयपुरिया स्कूल के पीछे स्थित सैय्यद बाड़ा (मानभवन सैय्यदहार) का तालाब भूमाफियाओं की निगाह में पड़ चुका है। जहां सैकड़ों डंपर व ट्रैक्टरों से पुराई करवाकर तालाब की शक्ल बदली जा रही है। इससे पूर्व मुस्लिम इंटर कॉलेज और जयपुरिया की ओर से भी तालाब में कब्जा किया गया था जिसको तत्कालीन जिलाधिकारी आज्ञनेय सिंह ने रुकवाकर जांच करवाई थी। सूत्र बताते हैं तब स्कूल का कुछ हिस्सा भी सरकारी जमीन में आया था लेकिन उनके जाने के बाद मामला दब गया ! और इस तालाब में कब्जे का खेल धीरे धीरे चलता रहा। इस मामले में भाजपा के नगर अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव व युवा विकास समिति के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्रा ने भी डीएम से लिखित शिकायत की है। उन्होंने अवैध कब्जाधारकों पर कार्रवाई की मांग की है। इस बाबत सदर एसडीएम प्रदीप रमन ने कहा कि टीम भेजकर जांच करवाई जाएगी। इसको नगर पालिका ही देखेगा। अवैध कब्जाधारकों व अवैध प्लाटिंग संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। चमन बाग के आदेश के बारे में जानकारी नहीं है, कुछ आदेश डीएम कोर्ट में अपील में हैं।

फतेहपुर धर्मांतरण के चलते तीन लोगों पर मुकदमा ओडिशा के दंपत्ति गिरफ्तार

फतेहपुर, संवाददाता। जिले में धर्मांतरण का मामला सामने आया है। यहां रविवार की शाम गांव की गरीब हिंदू महिलाओं को एक शख्स के घर में इकट्ठा कर ईसाई मिशनरी के दंपति समेत 3 लोग उनके बच्चों की अच्छी शिक्षा, नौकरी व रुपये का लालच देकर ईसाई बनाने का कुकृत्य कर रहे थे। इस बात की जानकारी पर पुलिस को साथ लेकर दर्जनों हिंदू संगठनों लोग पहुंचे और मौके से आपत्तिजनक साहित्य और बाइबिल बरामद किया है। इस मामले में बजरंग दल के अध्यक्ष की तहरीर पर दंपति सहित 3 लोगों पर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर पति–पत्नी को गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। मामला बिंदकी कोतवाली के सरकंडी चौकी क्षेत्र के छोटेलालपुर गांव का है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शेर सिंह के घर में 20 से 25 गरीब हिन्दू महिलाओं को इकट्ठा किया गया था। सभी महिलाएं कंजड़ बिरादरी की हैं। बताया जा रहा है कि यहां पर महिलाओं से उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा, नौकरी और रुपयों का लालच देकर क्रिश्चियन मिशनरी के लोग धर्म परिवर्तन करवा रहे थे।

जैसे ही इसकी भनक हिंदू संगठनों के लोगों को लगी तो सरकंडी पुलिस चौकी पहुंचे और धर्म परिवर्तन के घटना की पुलिस को जानकारी दी। बजरंग दल के नगर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ हिंदू संगठन के विमलेश बाजपेई, अनिकेत गुप्ता, सजल शर्मा, अभय सोनी, अखिलेश यादव, अनिल दुबे, अजय, पीयूष पांडेय सहित करीब 15 लोग पुलिस को साथ लेकर गांव पहुंचे। पुलिस के पहुंचते ही अफ़रातफरी मच गई। इस दौरान मौके से पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को पकड़ा है। जबकि एक युवक मौके से भाग निकला। इनके कब्जे से ईसाई धर्म से संबंधित बाइबिल के साथ अन्य आपत्तिजनक सामान भी पुलिस को मिले हैं। जिस पर धर्म परिवर्तन के खेल का यह शक यकीन में बदल गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में समरेंद्र सिंह व उसकी पत्नी सुष्मिता सिंह है। यह लोग ओडिशा प्रान्त के मर्वला गजपति रायगदा के रहने वाले हैं। जबकि मौके से फरार आरोपी ओमप्रकाश है।

थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बजरंग दल के नगर अध्यक्ष राजेश सिंह की तहरीर के आधार पर मामले में दंपति सहित 3 लोगों पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पति–पत्नी को गिरफ्तार कर मौके से फरार एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

पीएम आवास ग्रामीण में लूट का शिकार हुए पात्र लाभार्थी

फतेहपुर (निज संवाददाता)। विजयीपुर विकासखंड के अधिकतर दर्जनों ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 23 24 के सापेक्ष पंचायतों में जमकर धांधली की गई है। जिसका खामियाजा आज गरीब पात्र लाभार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। कई ग्राम पंचायतो में पात्र लाभार्थियों ग्रामीण के आरोप है कि अगली किस्त रोक देने का दबाव बना कर ग्राम प्रधानों ग्राम सचिवों व उनके गुर्गों द्वारा जमकर मोटी रकम वसूली की गई है। जिसके कारण पात्र लाभार्थियों के आवास आज भी अपूर्ण अधूरे पडे हैं। कड़ाके की सर्द में पीएम आवास मिलने के बाद भी अधूरी छत होने के कारण सैकड़ो परिवार पन्नी डालकर बसर कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिओ ट्रैगिग करके आवासों का ब्योरा रिपोर्ट पूर्ण दिखा दिया गया है। लेकिन धरातल पर वास्तविकता बिल्कुल भिन्न है। अधिकतर ग्राम पंचायत का मीडिया पड़ताल पर आलम यह रहा कि ग्रामीण आवासों पर सचिव प्रधानों और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मिली भगत से जमकर अपात्र लाभार्थियों संपन्न परिवारों को भी सिस्टम के दम पर आवास मुहैया कराए गए। कई ग्राम पंचायतों में एक ही परिवार के अपात्र लाभार्थियों को पिता पुत्र भाई संयुक्त परिवार होने के बाद भी प्रत्येक को आवास मुहैया कराए गए। वहीं कुछ बेहद पात्र लाभार्थी गरीब परिवार चुनावी रंजिशों प्रधानों की साजिशों के कारण बेहद पात्र होते हुए भी अपात्र श्रेणी में शामिल करा अपनी धाक दिखाये । कुछ ग्राम सभा में आपात्रों को दिए गए आवासों का निर्माण कार्य ही नहीं हुआ। लेकिन जिम्मेदार सचिवों द्वारा अपात्र लाभार्थियों से साठ गांठ करके शासन और उच्च अधिकारियों को आवास पूर्ण होने की रिपोर्ट प्रेषित कर गुमराह करते हुए जमकर लंबा खेल खेला गया है। कहीं कोई ग्राम पंचायतों में धांधली की शिकायतें भी उच्च अधिकारियों को मिली है तो जिम्मेदार ब्लाक अधिकारियों द्वारा खानापूर्ति करते हुए मामले को रफा दफा कर दिया गया। कई ग्राम पंचायतों में हुई धांधली को लेकर पंचायतो के ग्रामीण लामबंद हो ग्रामीण आवासों में हुई जमकर धांधली व साचिवो की लापरवाही मनमानी भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा जिलाधिकारी से मिलकर दर्द हकीकत बयां करेंगे।

ग्राम पंचायतों में जन समस्याओं के समाधान हेतु कार्य योजना एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

फतेहपुर, संवाददाता। ग्राम पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से ग्राम सभा की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण रही।

बैठक में ग्राम पंचायत के सदस्यों के साथ ग्रामीणों ने भी सक्रिय भागीदारी की और अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। चर्चा के मुख्य बिंदु पंचायत के विकास कार्य, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक मुद्दे रहे। इस बैठक का उद्देश्य केवल विकास योजनाओं को तैयार करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना भी था, जिससे वे अपनी आवाज़ उठा सकें और अपनी प्राथमिकताओं को सामने रख सकें।

सबकी योजना, सबका विकास अभियान के तहत पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से ब्लॉक बहुआ के ग्राम पंचायत ग़ाज़ीपुर और अयाह में ग्राम सभा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास और पंचायत के अन्य विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान 17 सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार 9 प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में समाहित करते हुए कार्य योजना तैयार की गई। इन विषयगत क्षेत्रों में बाल हितैषी गांव, महिला हितैषी गांव, सामाजिक न्यायपूर्ण एवं सुरक्षित गांव, सुशासन युक्त गांव, स्वस्थ गांव, गरीबी मुक्त गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गांव, स्वच्छता युक्त गांव और पर्याप्त जल आपूर्ति वाला गांव शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायतों के रूप में विकसित करना है, जिससे ग्रामीण विकास को नई दिशा मिल सके और समग्र विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। ग्राम पंचायत ग़ाज़ीपुर और अयाह में वीडियो साहब और ग्राम प्रधान के सहयोग से एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र गौतम के निर्देशानुसार यह शिविर संपन्न हुआ, जिसमें डॉ. आकांक्षा सचान और डॉ. प्रमोद कुमार ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक दवाएं उपलब्ध करवाईं। इसके अतिरिक्त, फार्मासिस्ट अमित सिंह, सीएचओ राधा निषाद, वंदना देवी, शालू गुप्ता, एएनएम प्रियंका देवी, एएनएम राम किशोर, एलटी सिद्धांत, आयुष्मान मित्र तेजपाल सिंह, फार्मासिस्ट सरला पाल, सीएचओ ओम प्रकाश, सीएचओ सरिता देवी समेत अन्य चिकित्सा कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं।

मन्दिर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

फतेहपुर, संवाददाता। श्री बिहारी जी मोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्थित श्री रामकृष्ण साई मन्दिर के पंचम वार्षिकोत्सव के अवसर पर मन्दिर परिसर में संगीतमयी सुंदरकांड व विशाल भंडारे का आयोजन समाजसेवी व चेयरमैन इंडियन रेडक्रास सोसाइटी डॉ अनुराग श्रीवास्तव द्वारा किया गया। जिसमें सभी उपस्थित भक्त पूरे उत्साह के साथ झूमते व सुंदरकांड का पाठ कर रहे थे। सुंदरकांड समाप्ति पर सर्वप्रथम सन्तों को भोजन प्रसाद कराने के बाद बर्तन व दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया गया ततपश्चात बच्चों व कन्याओं को फिर सभी को प्रसाद वितरित किया गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर मन्दिर को भव्य रूप दिया गया था। फुलवामऊ के राजमंगल सिंह द्वारा शिव स्तुति व ओम साई दिव्यांग संस्थान के नेत्रहीन बच्चों द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई। साथ ही भंडारे का भोजन प्रसाद मवइया स्थित समाजकल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धजन आवास,खागा स्थित सहारा वृद्धाश्रम व श्रीकृष्ण आदर्श विद्या मंदिर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के बच्चों हेतु भी भिजवाया गया।इस अवसर पर आचार्य विमलाकांत त्रिपाठी, डॉ श्याम बिहारी श्रीवास्तव, श्रीमती पद्मिनी श्रीवास्तव, श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, अभिनव श्रीवास्तव, श्रीमती दीपिका, ऐश्वर्या श्रीवास्तव एडवोकेट, महेंद्र शुक्ल, मधुसूदन दीक्षित, रीता सिंह तोमर, अनुष्का, अर्णव, आद्या सहित प्रमुख सहयोगी सुरेश श्रीवास्तव, चौतन्य कुमार, हिमांशु श्रीवास्तव, आशीष मिश्र,अभिषेक सैनी व तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम एसपी द्वारा होल्डिंग एरिया का निरीक्षण

फतेहपुर, संवाददाता। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने महाकुंभ मौनी अमावस्या स्नान के दृष्टिगत जनपद के सदर एवं खागा स्थित होल्डिंग एरिया का पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के साथ निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के खाने पीने, ठहरने, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका पंचायत को निर्देशित किया कि शुद्ध पेयजल, शौचालय, एवं पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराए। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित करें की होल्डिंग एरिया में चिकित्सकों की टीम 24 घंटे तैनात रहे।उपजिलाधिकारी सदर/खागा को निर्देशित किया की खाने पीने की व्यवस्था निरन्तर होल्डिंग एरिया में चलाते रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र एसडीएम सदर प्रदीप कुमार रमन, एसडीएम खागा डॉव अभिनीत कुमार सहित संबंधित उपस्थित रहे।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह